



78th HAPPY
INDEPENDENCE
15th AUGUST DAY
2024



VOLUME: 2

JULY-AUGUST, 2024

TAGORE INTERNATIONAL
LITERATURE & ARTS FESTIVALविश्व रंग 2024
मॉरीशस50 देशों के बीच संस्कृतियों को जोड़ने वाला
एक ऐतिहासिक उत्सव

7th - 9th अगस्त: भारत के सबसे बड़े भाषा, साहित्य, कला और संस्कृति समर्पित उत्सव के रूप में प्रसिद्ध विश्वरंग ने इस वर्ष 7-9 अगस्त 2024 अपने छठे संस्करण को मॉरीशस में एक भव्य आयोजन के साथ मनाया। इस उत्सव ने दुनिया भर के 50 देशों से 300 से अधिक रचनाकारों और कलाकारों को एक साथ लाया, जिससे विचारों का आदान-प्रदान और सांस्कृतिक संवाद को प्रोत्साहन मिला, खासकर हिंदी भाषा और परंपराओं पर विशेष ध्यान दिया गया। यह उत्सव रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल और विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया, जिसे वैश्विक स्तर पर बड़ी सराहना मिली और 1 करोड़ से अधिक लोगों ने इसका साक्षात्कार किया।

विश्वरंग उत्सव के दौरान, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा, "भाषा, साहित्य, कला और संस्कृति के वार्षिक उत्सव के रूप में विश्वरंग की सराहना की जानी चाहिए।" मॉरीशस के प्रधानमंत्री, माननीय प्रविंद कुमार जगन्नाथ ने विश्वरंग की महत्ता पर जोर देते हुए कहा, "इस आयोजन ने भारत और मॉरीशस के बीच सांस्कृतिक और शैक्षिक संवाद को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।"

मॉरीशस के राष्ट्रपति, महामहिम पृथ्वीराज सिंह रूपन ने विश्वरंग 2024 को मॉरीशस के सांस्कृतिक इतिहास का एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया और कहा, "इस उत्सव ने मॉरीशस के सांस्कृतिक परिदृश्य में एक नई मानक स्थापित की है।"



समझौता ज्ञापन (एमओयू): विश्वरंग 2024 के दौरान, राष्ट्रपति श्री पृथ्वीराज सिंह रूपन, उप प्रधानमंत्री लीला देवी दुकन और विश्वरंग के निदेशक श्री संतोष चौबे की उपस्थिति में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। शिक्षा, अनुसंधान, प्रौद्योगिकी, कौशल विकास और साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग करने के लिए रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (भारत) और महात्मा गांधी संस्थान (मॉरीशस) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते पर रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विजय सिंह और महात्मा गांधी संस्थान के महानिदेशक डॉ. राजकुमार रामपरताब ने हस्ताक्षर किए।

समापन सत्र में, विश्वरंग के निदेशक और रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के

कुलाधिपति, श्री संतोष चौबे ने तीन महत्वपूर्ण घोषणाएँ कीं:

1. अफ्रो-एशिया इंटरनेशनल विश्वरंग पुरस्कार की घोषणा

इस अवसर पर, विश्वरंग के निदेशक श्री संतोष चौबे ने घोषणा की कि 2025 से, शिक्षा, साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में वैश्विक योगदान देने वाले किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति को "अफ्रो-एशिया इंटरनेशनल विश्वरंग पुरस्कार" से सम्मानित किया जाएगा।

2. एक भव्य वैश्विक आयोजन: 'हिंदी ओलंपियाड' का आयोजन

विश्वरंग पहल के अंतर्गत, 50 से अधिक देशों में 'हिंदी ओलंपियाड' का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिताएं विभिन्न स्तरों पर आयोजित की जाएंगी, जिनमें कहानियों का लेखन, कविता, गीत, गैर-फिक्शन गद्य, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, नई कृषि तकनीकें, वैज्ञानिक लेखन, तकनीकी शिक्षा,

मिलियन छात्रों और प्रतियोगियों की भागीदारी होगी।

3. वैश्विक स्तर पर अनुवाद कार्य को प्रोत्साहन

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल में टैगोर इंटरनेशनल हिंदी सेंटर के साथ एक 'बहुभाषी अनुवाद केंद्र' भी स्थापित किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्तर पर अनुवाद कार्य को प्रोत्साहित करना है।

इस अवसर पर, श्री संतोष चौबे ने मॉरीशस स्थित रवीन्द्रनाथ टैगोर संस्थान को गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की एक जीवन-आकार की प्रतिमा भी भेंट की, जिसे महामहिम राष्ट्रपति पृथ्वीराजसिंह रूपन ने अनावरण किया।



इस आयोजन में उपस्थित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में महामहिम श्रीमती नंदिनी के. सिंघला, भारतीय उच्चायुक्त (मॉरीशस), माननीय लीला देवी दूकन-लुचूमन, जीसीएसके उप-प्रधानमंत्री, शिक्षा, तृतीयक शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री (मॉरीशस), डॉ. मधुरी रामधरि, महासचिव, विश्व हिंदी सचिवालय (मॉरीशस), श्री राजकुमार रामपरताब, जीसीएसके महानिदेशक, महात्मा गांधी संस्थान/ रवीन्द्रनाथ टैगोर संस्थान (मॉरीशस), श्री इंद्रदूत राम, अध्यक्ष, एमजीआई और आरटीआई परिषद (मॉरीशस) और श्री करमलाल मांतादीन (मॉरीशस) शामिल थे।

विश्वरंग 2024 के दौरान, हिंदी और साहित्य में योगदान के लिए भारत और विदेश से प्रतिष्ठित व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।

विश्वरंग भाषा सम्मान 2024 मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ और श्री संतोष चौबे द्वारा प्रदान किए गए सम्मानित व्यक्तियों में डॉ. लालदेव आंचरज (मॉरीशस), डॉ. हेमराज सुंदर (मॉरीशस), प्रसिद्ध लोक गायिका डॉ. मालीनी अवस्थी (भारत), बंगाली गायिका सुश्री जयति चक्रवर्ती (भारत), डॉ. पद्मेश गुप्ता (यूके), प्रसिद्ध कहानीकार डॉ. दिव्या माथुर (यूके), और प्रसिद्ध तकनीकी विशेषज्ञ डॉ. बलेंदु दधीच (भारत) शामिल थे। उत्सव से पहले, मॉरीशस के 50 स्कूलों और संस्थानों में चित्रकला, नृत्य और कविता पाठ जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें भाग लेने वाले छात्रों को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भारत और मॉरीशस के कलाकारों की प्रस्तुतियाँ शामिल थीं।

मुख्य आकर्षणों में भोपाल से कथक नृत्यांगना क्षमा मालवीय और उनके समूह द्वारा ब्रज की होली पर आधारित नृत्य प्रस्तुति, इंदिरा गांधी सेंटर फॉर इंडियन कल्चर के कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियाँ, और महात्मा गांधी संस्थान के कलाकारों द्वारा लोक संगीत की प्रस्तुतियाँ थीं। भारत की प्रसिद्ध लोक गायिका, पद्म श्री मालीनी अवस्थी ने अपने शक्तिशाली लोक गीतों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जबकि कोलकाता की बंगाली गायिका जयति चक्रवर्ती ने रवींद्र संगीत की अपनी प्रस्तुतियों से मॉरीशस की शाम को जादुई बना दिया।

विश्वरंग 2024 ने भाषा, साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्रों में संवाद के लिए एक वैश्विक मंच सफलतापूर्वक प्रदान किया। मॉरीशस में आयोजित इस आयोजन ने दोनों देशों के सांस्कृतिक और शैक्षिक संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया।



कार्यशाला भारतीय ज्ञान परम्परा और संगीत



26th - 27th जुलाई: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा मानविकी एवं उदार कला संकाय तथा टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केन्द्र के संयोजन में राष्ट्रीय कार्यशाला 'संगीत मंथन' संपन्न हुई। 26 और 27 जुलाई को विभिन्न सत्रों में देश भर से आए संगीत मनीषियों, अध्येताओं तथा शोधार्थियों ने भारतीय ज्ञान परम्परा के परिप्रेक्ष्य में संगीत के पाठ्यक्रम के पुनर्निर्माण हेतु आवश्यक पहलुओं पर गहन चर्चा की।

कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि श्री भरत शरण सिंह, अध्यक्ष, मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग भोपाल, विशिष्ट अतिथि मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ आकदमी के अध्यक्ष, श्री अशोक कडैल, वरिष्ठ संगीत मनीषी पं. किरण देशपांडे, महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय हरियाणा के कुलगुरु श्री रमेश चंद्र भारद्वाज, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलगुरु श्री साहित्य कुमार नाहर, प्रसिद्ध गायक एवं संगीतकार पं. उमाकांत गुंदेचा उपस्थित थे।



कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोश चौबे ने की। वहीं विश्वविद्यालय की प्रो-चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, प्रसिद्ध शिक्षाविद प्रो. अमिताभ सक्सेना कुलसचिव डॉ. विजय सिंह भी विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर संगीत पर एकाग्र कविताओं का संकलन 'अनुनाद', मॉरीशस में आयोजित होने वाले विश्वरंग 2024 के पोस्टर और विश्वविद्यालय के न्यूज लेटर का लोकार्पण अतिथियों द्वारा किया गया। उद्घाटन तथा विचार सत्रों का गरिमामय संचालन टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केन्द्र के निदेशक एवं संगीत कार्यशाला के समन्वयक विनय उपाध्याय ने किया।

सत्र में बतौर वक्ता अवधेश तोमर, सागर विश्वविद्यालय, नीना श्रीवास्तव, नूतन कॉलेज भोपाल, भास्कर खांडेकर, जबलपुर, अभय फगरे, भोपाल, नीता पंडित, दिल्ली, अशोक जमनानी, होशंगाबाद और पंडित किरण देशपांडे, नागेश त्रिपाठी रीवा, प्रकाश

चंद्र कडोतिया इंदौर, देवाशीष बैनार्जी, रीवा वहीं द्वितीय सत्र में वक्ता स्नेहा कामरा "श्रेव्ताम्बरा" इंदौर, सुश्री सुलेखा भट्ट, भोपाल,

श्री भुवनेश कोमकली, देवास, श्री संजीव भोपाल, रवि पंडोले, बरकतुल्लाह वि. वि., सुधा दीक्षित नूतन कॉलेज, भोपाल, पियूष ताम्बे, प्रतीक्षा ताम्बे, पंडित उमाकांत गुंदेचा ने परिचर्चा की। परिचर्चा के दौरान विषय विशेषज्ञों ने पाठ्यक्रम को लेकर कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं को रेखंकित किया जिसमें

संगीत का इतिहास और सिद्धांत के अंतर्गत भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रमुख युगों और संगीतकारों का अध्ययन, वाद्य यंत्रों का परिचय, विभिन्न वाद्य यंत्रों की जानकारी जैसे बांसुरी, तबला, सितार आदि के परिचालन का अभ्यास और उनके सही उपयोग की जानकारी दी। स्वर और गायन में मूलभूत सुर और स्वरों का अभ्यास, विभिन्न प्रकार के गीतों का अभ्यास जैसे शास्त्रीय, लोकगीत, भजन आदि गायन की तकनीक और वोकल वार्मअप- एक्सरसाइज पर विशेष ध्यान देना बताया तथा संगीत लेखन, रचना और संगीत लिखने की विधि तथा सरल संगीत रचनाएँ और कंपोजीशन टेक्निक्स एवं प्रदर्शन और प्रस्तुति कौशल देने की कला एवं लाइव प्रदर्शन और रिकॉर्डिंग तकनीकों पर चर्चा हुई।



National Seminar on "Gender Sensitization and Women in Professionalism" Held at Rabindranath Tagore University



31st July: A National Seminar titled "Gender Sensitization and Women in Professionalism: Problems and Difficulties" was successfully conducted at Rabindranath Tagore University. The event was aimed at fostering dialogue on creating gender-inclusive workplaces, raising awareness, and addressing the challenges faced by women in professional settings. The seminar featured in-depth discussions on topics such as gender-sensitive policies, infrastructure, training,

and awareness initiatives for fostering inclusivity. The seminar focused on the critical importance of gender sensitization in both personal and professional contexts.

The discussions centered on common biases, stereotypes, and challenges women face in workplaces and how organizations can work to mitigate these issues. The seminar's key takeaways will contribute to future steps toward gender inclusivity, advocacy, and leadership development at RNTU.

Seminar on "Reboot Your Life" Held at RNTU



30th July: A thought-provoking seminar titled "Reboot Your Life" was conducted at Rabindranath Tagore University, offering students invaluable insights into personal growth and self-transformation.

The keynote address was delivered by Dr. Pooja Mehta, Director of Karma Wellness Studio and a consultant philologist. She spoke on the necessity of rebooting one's life, emphasizing how, at various junctures, life presents opportunities for a fresh start. "Rebooting or restarting your life is about taking

control of how you feel, think, and live," Dr. Mehta remarked. She highlighted that it is not about forgetting the past but rather learning from it to build a better future.

She delved into the difficulties faced during adolescence, explaining how life's pressures—such as career, social relationships, and internal confusion—can take a toll on one's mental health. Dr. Mehta emphasized the importance of understanding these challenges and managing them with clarity and guidance.

Faculty Induction Programme

“Guru Dakshta” at Rabindranath Tagore University: A Comprehensive Learning Experience



21st- 22nd August: Rabindranath Tagore University successfully conducted a two-day Faculty Induction Programme from 21st to 22nd August 2024, aimed at enhancing the skills and knowledge of the faculty in various aspects of higher education.

The programme was inaugurated by Prof. Amitabh Saxena, Executive Director of ITDPR-AGU, alongside

Dr. Aditi Chaturvedi, Director of AGU, and Dr. Sanjeev Kumar Gupta, Dean Academics at RNTU. The event was further graced by Dr. Pooja Chaturvedi, Deputy Registrar (Academics), who warmly welcomed all attendees.

The induction programme comprised several crucial modules designed to equip faculty with a thorough understanding of modern educational

practices: **Module 1:** Higher Education and its Ecosystem, **Module 2:** Curriculum Designing, Outcome-Based Learning, and Choice-Based Credit System, **Module 3:** Teaching, Learning, and Assessment, **Module 4:** Technology for Teaching and Assessment of I-Generation, **Module 5:** Personal-Emotional Development and Counselling, **Module 6:** Research, Professional Development, and Academic Leadership, **Module 7:** Academic Integrity, **Module 8:** Constitutional Values, Human Rights, and Fundamental Duties, **Module 9:** Environmental Consciousness & Sustainable Development Goals, **Module 10:** Strategic Planning and Management.

The programme commenced with an overview of its objectives, delivered by Dr. Sanjeev Kumar Gupta, followed by a presentation by Dr. Aditi Chaturvedi, who



introduced AISECT's vision, mission, and journey. Her presentation covered various units of AISECT, the services it offers and its network of universities.



Prof. Amitabh Saxena delivered a thought-provoking address, discussing Macaulay's theory and delved into the first module on higher education and its ecosystem.

The programme provided an enriching experience for the participants, focusing on both professional development and the practical application of modern teaching strategies.

आरएनटीयू में इकोफ्रेंडली गणेश मूर्ति बनाने की कार्यशाला आयोजित धार्मिक भावनाओं को प्रकृति से जोड़ने की अनूठी पहल



30th अगस्त: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में इकोफ्रेंडली गणेश जी बनाने की एक अनूठी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भोपाल के माटी कला विशेषज्ञ

लखन प्रजापति द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यशाला में जहां विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, वहीं विश्वविद्यालय के टीचर्स भी शामिल हुए। विद्यार्थियों ने यहां मिट्टी से भगवान गणेश बनाना सीखा और विभिन्न रूप में भगवान

गणेश की प्रतिमा तैयार की। मानविकी एवं उदार कला संकाय की अधिष्ठाता डॉ. रुचि मिश्रा तिवारी ने बताया कि मूर्ति बनाने की कार्यशाला सम्पन्न करने का मूल उद्देश्य यही है कि हमें अपनी धार्मिक भावनाओं को अब प्रकृति से जोड़ना होगा। क्योंकि ये मूर्तियां हम सभी नदी या तालाब आदि में विसर्जित करते हैं। जो मूर्तियां वर्तमान में प्रयोग की जाती हैं, उनमें रासायनिक रंगों और प्लास्टर ऑफ पेरिस का प्रयोग किया जाता है। जो कि नदी अथवा तालाब में विसर्जन के बाद घुलकर जल को प्रदूषित करते हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. हर्षा शर्मा ने बताया कि पर्यावरण को दूषित होने से बचाने के उद्देश्य से और आने वाले

गणेश उत्सव के लिए मिट्टी के गणेश जी का निर्माण की कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें विद्यार्थियों ने बड़ी तन्मयता के साथ में गणेश जी का निर्माण सीखा।



इस अवसर पर विश्वविद्यालय के लगभग 50 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। साथ में विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं ने भी गणेश जी बनाना सीखा।



RNTU's Srijan Club Hosted Interactive Session with Renowned Casting Director Jogi Malang



20th July: The Srijan Club, the Literary Club of the Department of Humanities & Liberal Arts at Rabindranath Tagore University, organized an engaging interactive session with Mr. Jogi Malang, a

renowned casting director from the Hindi film industry. The session, held at Tagore National School of Drama, offered valuable insights into the world of casting and acting in Hindi films. The session was attended by students from the Department of Humanities & Liberal Arts and the Tagore National School of Drama. The interactive session proved to be highly useful and entertaining for students, offering them practical advice and a behind-the-scenes look at the casting process in Hindi cinema.

टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा रबीन्द्रनाथ टैगोर की कहानियों पर आधारित 'रबीन्द्र वाचनालय' की मनमोहक नाट्य प्रस्तुति संपन्न

23rd जुलाई: आरएनटीयू के टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा रबीन्द्रनाथ टैगोर की कहानियों पर आधारित नाटक 'रबीन्द्र वाचनालय' की मनमोहक नाट्य प्रस्तुति का शहीद भवन में मंचन किया गया। कहानी का निर्देशन मनोज नायर ने किया। कोलकाता की प्रसिद्ध थिएटर आर्टिस्ट सुश्री संजिता मुखर्जी ने बाउल गायन कर सबका दिल जीत लिया।



Motivational Speaker **Jaya Kishori** Emphasized on Passion-Driven Careers @ RNTU

19th August: Renowned motivational speaker Jaya Kishori delivered an inspiring talk at Rabindranath Tagore University, highlighting the importance of loving one's work as the key to both happiness and success. Addressing the students, she encouraged them to pursue careers they are passionate about rather than merely chasing financial gain.

Kishori stressed that true fulfillment comes from finding happiness

within oneself, urging students to avoid comparing their lives to the often unrealistic portrayals on social media. The session was moderated by Dr. Pallavi Chaturvedi, who facilitated a discussion on how internal contentment plays a crucial role in personal and professional growth.

The event left a lasting impact on students, motivated them to focus on self-discovery and passion in their career choices.



Plantation Drive on the occasion of **WORLD ENVIRONMENT DAY** @ RNTU

1st July: The plantation of flowering and fruit bearing plants programme was initiated by Department of Horticulture for the activity under Agriculture Research Center (Faculty of Agriculture) by Faculty members of Agriculture and different wings from the Rabindranath Tagore University, Raisen, Madhya Pradesh on 1st July 2024 on the occasion of World Fruit Day- 2024. The Plantation drive started with plantation of flowers and fruit bearing plants by Hon'ble Dean, Faculty of Agriculture Dr. H.D. Verma. Faculties from other wings of the university also joined during the plantation activity



within the campus of Rabindranath Tagore university.

RNTU's Institute of Pharmacy Celebrated **ANTI-RAGGING DAY** with Creative Competitions



24th August: The Institute of Pharmacy at Rabindranath Tagore University celebrated Anti-Ragging Day on 24th August 2024, aiming to raise awareness about the harmful effects of ragging and promote a safe campus environment. Students participated in poster-making and slogan-writing competitions. The participants creatively expressed their thoughts against ragging through compelling visuals and impactful slogans.

Certificates were given to students for the best poster and best slogan, recognizing their efforts and dedication in supporting the cause. The event successfully fostered a sense of responsibility among students to maintain a ragging-free campus environment.





ICSSR Sponsored Research METHODOLOGY COURSE WORKSHOP *organised at*



Rabindranath Tagore University

20th - 31st August: 10-Day Research Methodology Workshop at Rabindranath Tagore University aimed to enhance the research skills and knowledge of participants from diverse academic backgrounds. The inaugural session, held in the university's main auditorium, set a promising tone for the intensive journey ahead, with an array of speeches and insightful discussions from distinguished speakers and academic leaders. The opening ceremony was graced by the presence of Prof. Amitabh Saxena, Executive Director, ITDPR-AGU, and Dr.

Aditi Chaturvedi, Director, AGU, who delivered inspiring keynote addresses. Prof. Saxena emphasized the importance of adopting a systematic approach to research and how methodologically sound research contributes to societal advancement.

His speech high-lighted the critical role of workshop in fostering academic excellence and developing robust research capabilities.

In her speech, Dr. Chaturvedi stressed the need for interdisciplinary research in the contemporary academic landscape.



She encouraged participants to break free from the silos of traditional research methods and to explore innovative solutions to modern-day challenges by integrating knowledge from various fields. "Research should not only add to academic discourse but also create a tangible impact on society," she remarked.

Participants of the workshop included research scholars, faculty members, and postgraduate students from various departments of the university, all eager to sharpen their research acumen. The workshop featured a combination of

lectures, interactive discussions, and hands-on exercises designed to provide a well-rounded understanding of research methodologies. The inclusion of practical session allowed participants to apply the theoretical concepts they learnt and provided them more effective learning experience.



Session by Dr. Yogesh Puri, Professor, Harcourt Butler Technical University, Kanpur



DEEKSHARAMBH 2024-2025

@Rabindranath Tagore University with a Warm Welcome and Inspiring Sessions

7th - 9th August: Rabindranath Tagore University commenced its annual student orientation program, Deeksharambh 2024, with a warm welcome to the incoming batch. The event, designed to introduce new students to campus life, academic guidelines, and university resources, set the stage for a successful academic journey.

The program began with inspiring talks from faculty members, offering valuable insights into academic rules, the importance of mental health, and the wide range of resources available to students. These sessions provided a comprehensive understanding of the academic expectations and support systems at RNTU. Key highlights included faculty introduction across various departments gave students an opportunity to familiarize themselves with their professors.

The convocation of the newly admitted international students was held this year at RNTU. Life coach Dr. Rajiv Agarwal was the chief guest at the program, Pro Chancellor Dr. Aditi Chaturvedi Vats, Registrar Dr. Vijay Singh, Pro-Vice Chancellor Dr. Sangeeta Johri, Dean Academics Dr. Sanjeev Gupta, Dean International Cell Dr. Ritu Kumaran were present as special guests. This year, students from various countries like Zimbabwe, Nigeria, Ghana, Gambia, Sudan, Liberia, Uganda etc. have taken admission to study in the university.



रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कृषि संकाय द्वारा हाईटेक कस्टम हायरिंग केन्द्र का उदघाटन कार्यक्रम संपन्न



19th जुलाई: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कृषि विभाग द्वारा हाईटेक कस्टम हायरिंग सेंटर का उदघाटन कार्यक्रम हुआ। बतौर मुख्य अतिथि श्री बी. एस. कोठारी, असिस्टेंट इंजीनियर भोपाल संभाग, कृषि अभियांत्रिकी, मध्य प्रदेश शासन, आरएनटीयू के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे, कुलसचिव डॉ विजय सिंह एवं उपकुलपति डॉ संगीता जौहरी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

इस मौके पर श्री बी. एस. कोठारी जी ने विभाग की योजनाओं के बारे में कृषकों को अवगत कराते हुए कृषि यांत्रिकी के द्वारा किये गए कार्य को जिला व राज्य स्तर ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किस प्रकार किसान योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं के बारे में विस्तृत जानकारी

दी। वहीं श्री संतोष चौबे जी ने कहा की अब खेती की पुरानी विधियों को छोड़ कर उन्नत कृषि यंत्रो एवं तकनीकियों को अपना कर नयी विधियों की ओर अग्रसर होना होगा। साथ ही जैविक खेती को बढ़ावा देकर कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन करना होगा। उन्होंने यह भी कहा की किसान भाइयों को कस्टम हायरिंग एवं कृषि की अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ लेना चाहिए और अपने विश्वविद्यालय के कृषि छात्रों को गाँव में किसानों के खेतों पर भी जाने की सलाह दी। इस उपरांत डॉ विजय सिंह द्वारा कस्टम हायरिंग के महत्व को बताते हुए कृषकों को संबोधित किया एवं विभाग को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अंगीकृत गांवों से लगभग 65 किसानों ने भाग लिया।



एंप्री और रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के मध्य एम ओ यू



1st अगस्त: राष्ट्रीय हिंदी विज्ञान सम्मेलन 2024 के अवसर पर एंप्री और स्कोप ग्लोबल विश्वविद्यालय, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के मध्य एम ओ यू हुआ। इस अवसर पर माननीय उपमुख्य मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, सी

एस आई आर एंप्री के निदेशक डॉ अवनीश श्रीवास्तव जी, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ सिद्धार्थ चतुर्वेदी जी, प्रो अमिताभ सक्सेना, डॉ अनुराग, डॉ अनिल तिवारी और बड़ी संख्या में साइंटिस्ट और प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।



August: Celebrating Women's Leadership! The National Hindi Science Conference 2024 in Bhopal featured a special session on "Emerging Effective Leadership of Women: A Joyous Scenario." Dr. Aditi Chaturvedi shared her inspiring experiences.

Rabindranath Tagore University Hosted Workshop at the Agriculture Food Processing Business Incubation and Training Center



26th August: Rabindranath Tagore University hosted a 3-day workshop at the Agriculture Food Processing Business Incubation and Training Center, providing hands-on training in food safety, potato chips production, and nutrition. Led by Dr. Nitin Vats and Mr. Pranjal Malakar, the event empowered students with practical skills.



16th July: Students of the Drama School put on an impressive demonstration of Kalaripayattu at Muktheadhara. Under the expert

guidance of Mr. Sujit Kalamandalam from Kerala, the students showcased their skills in this traditional martial art.



August: RNTU's Pro. VC Dr. Sangeeta Johari participated in the inspiring event "Sushiksha-A Golden Future Through Meaningful Education," sponsored by News 18 MP-CG.

The event honored representatives from various educational institutions for their significant contributions to creating a brighter future through impactful education.

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा विज्ञान प्रचार प्रसार पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन संपन्न



28th अगस्त: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय विज्ञान विभाग, रिसर्च विभाग और मेडिकल साइंस विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आचार्य सर प्रफुल्ल चन्द्र रे की जयन्ती के अवसर पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका विषय विज्ञान प्रचार प्रसार था। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (एमपीसीएसटी) के सक्रिय सहयोग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की उपकुलाधिपति डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थी। साथ ही विश्वविद्यालय की उपकुलपति डॉ. संगीता जौहरी, कुलसचिव डॉ. विजय सिंह, डीन एकेडमिक डॉ. संजीव गुप्ता एवं फार्मसी की विभागाध्यक्ष डॉ. दुर्गा पांडे ने छात्रों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विज्ञान के बारे में जागरूकता लाना और उसका विस्तार करना था।

इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एक्सीलेंस कॉलेज की विभाग अध्यक्ष डॉ. ज्योति सक्सेना थी। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) से रसायन के विशेषज्ञ डॉ. सुन्दरलाल पाल एवं मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (एमपीसीएसटी) के विशिष्ट वैज्ञानिक डॉ. शैलेन्द्र सिंह डाबी ने छात्रों को केमिकल इंडस्ट्री में वर्तमान समय में उपलब्ध करियर की संभावनाएं तथा देश के विकास में बंगाल केमिकल इंडस्ट्री जो कि आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र रे द्वारा स्थापित किया गया था, के महत्व को समझाया। प्रो. प्रबल राय ने विज्ञान के विभिन्न प्रयोगों का प्रयोग छात्रों के सम्मुख प्रस्तुत किया। डॉ. शैलेन्द्र सिंह डाबी ने आचार्य सर प्रफुल्ल चन्द्र रे के विशेष योगदान से छात्रों को अवगत कराया एवं रसायन विज्ञान के क्षेत्र में आचार्य सर प्रफुल्ल चन्द्र रे द्वारा की गई नाइट्राइट की खोज

उसकी औद्योगिक उपयोगिता एवं बंगाल केमिकल्स के बारे में छात्रों को विस्तार से बताया।

उपकुलाधिपति डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में हो रहे विज्ञान से संबंधित पाठ्यक्रम का कुशल संचालन एवं भविष्य में उपलब्ध रोजगार के सुअवसरों के बारे में छात्रों को विस्तार से बताया।

प्राध्यापक डॉ. सुन्दर लाल पाल जो कि मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) भोपाल में कार्यरत हैं। इन्होंने बहु उपयोगी जानकारियों को साझा किया, जिसमें हेल्थ इंडस्ट्री में केमिकल्स का उपयोग पर्यावरण के संदर्भ में रसायनों का महत्व एवं विभिन्न तकनीकों द्वारा विशिष्ट गुणवत्ता का परीक्षण करके उच्च गुणवत्ता की वस्तु को टेस्ट करके बाजार में कैसे पहुंचाया जा सकता है के संदर्भ में विस्तार से चर्चा की।

आरएनटीयू की फार्मसी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. दुर्गा पांडे ने टेबलेट में रासायनिक प्रक्रियाओं का महत्व एवं चिकित्सा के क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न प्रकार की टेबलेट का भंडार एवं सुरक्षा कैसे की जाती है व टेबलेट के पोस्टर पर दिये गये दिशा निर्देशों को पढ़कर यह समझाया की दवाईयों को कितने तापमान में रखना है एवं किस प्रकार उपयोग में लाना हैं ताकि मरीजों को अधिकतम गुणवत्ता के साथ ज्यादा से

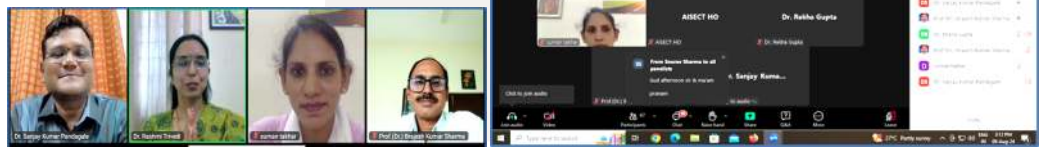
ज्यादा लाभ मिल सके। डॉ. ज्योति सक्सेना वरिष्ठ विभागाध्यक्ष एक्सीलेंस कॉलेज भोपाल द्वारा छात्रों को बहुत ही रोचक तरीके से आचार्य सर प्रफुल्ल चन्द्र रे जी के जीवनकाल में उनके द्वारा प्रकाशित 148 शोध पत्र एवं बायो टेक्नोलॉजी केमिकल इंजीनियरिंग इन्वायरमेंटल साइंस के विभिन्न क्षेत्रों में आचार्य सर प्रफुल्ल चन्द्र रे द्वारा किये गये विशिष्ट कार्यों को समझाया।

डॉ. सी.पी. मिश्रा विभाग अध्यक्ष फेकल्टी ऑफ मेडिकल साइंस (प्रशासनिक एजीयू) ने छात्रों को अपने आप पर ध्यान देकर स्वयं को रसायन विज्ञान के वर्तमान में उपलब्ध विभिन्न रोजगार में शामिल होने के लिये किस तरह से तैयार होना है तथा व्यक्तिगत विकास के माध्यम से एवं चुनौतियों सामने आने पर हार न मानकर पूरी दृढ़ता के साथ अपने लक्ष्य को हासिल करना चाहिए, यह सुविचार छात्रों के साथ साझा किया।



Two Days National Webinar on Integration of Web 2.0 Technology in Education

9th- 10th August: A two-day online national webinar on Awareness on Integration of Web 2.0 Technology in Education was organized on 9th and 10th August 2024 by the Faculty of Education, RNTU.



राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2024

पर रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के विज्ञान संचार केंद्र द्वारा छात्रों को किया गया जागरूक



23rd अगस्त: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के विज्ञान संचार केंद्र ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2024 के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर विज्ञान और अंतरिक्ष के प्रति छात्रों में जागरूकता और रुचि बढ़ाने का प्रयास किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय की डीन डॉ. पूर्वी भारद्वाज और विधि संकाय के डीन डॉ. नीलेश शर्मा बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। टेलीस्कोप संचालन पर आयोजित कार्यशाला खगोल विज्ञान में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस कार्यशाला में छात्रों को टेलीस्कोप के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी गई और उसे संचालित करने की विधि भी सिखाई गई। चंद्रयान मिशनों पर आधारित फिल्म में छात्रों को भारत के अंतरिक्ष अभियानों की रोमांचक और प्रेरणादायक यात्रा से अवगत कराया गया। इसके बाद हुए ओपन हाउस क्विज में छात्रों ने अंतरिक्ष विज्ञान और इसरो के बारे में अपने ज्ञान का प्रदर्शन किया और नए तथ्यों को सीखा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से चंद्रयान मिशनों की यात्रा पर आधारित फिल्म, इसरो और उनके द्वारा संचालित मिशनों और टेलीस्कोप संचालन पर विस्तृत रूप से जानकारी साझा की गई।

आरएनटीयू सेंट्रल लाइब्रेरी द्वारा पद्मश्री डॉ. एस. आर. रंगनाथन का 132वां जन्मदिन और राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस समारोह हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया



12^{अगस्त}: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में डॉ. एस. आर. रंगनाथन का 132वां जन्मदिन और राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस समारोह हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में डॉ संजीव गुप्ता, डीन अकादमिक व एनडीएलआई के क्लब संरक्षक, डॉ राकेश खरे, पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ पूजा चतुर्वेदी, अकादमिक उपकुलसचिव, डॉ पूर्वी भरद्वाज, अधिष्ठाता साइंस विभाग कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में उपस्थित थे। इस अवसर पर अतिथियों ने लाइब्रेरी की उत्कृष्ट सेवाओं के लिए बधाई दी तथा लाइब्रेरी की

सभी सेवाओं जैसे ई-रिसोर्सेज के बारे में जानने तथा उनका उपयोग शिक्षण, अध्ययन, शोध आदि उद्देश्यों के लिए करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि दुनिया में डिजिटल मीडिया एवं सूचना में तेजी से विकास के साथ उच्च शिक्षा में ई-रिसोर्सेज (एनडीएलआई) की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होती जा रही है। 21वीं सदी में इसका महत्व बढ़ रहा है तथा विकसित हो रहा है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को नियमित रूप से लाइब्रेरी में आकर अध्ययन करने का आग्रह किया।

सुश्री अदिति गौरशेट्टीवार, पुस्तकालय सहायक ने सरस्वती वंदना का गायन किया और साथ ही साथ पुस्तकालय के जनक डॉ. एस. आर. रंगनाथन के पूरे जीवन काल के बारे में विस्तृत विवरण दिया। वहीं सुश्री आरती वर्मा, पुस्तकालय सहायक द्वारा पुस्तकालय की सभी प्रकार की सेवाओं, नवीन तकनीकियों, डिजिटल लाइब्रेरी, इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की उपलब्धता एवं उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। विश्वविद्यालय की विज्ञान संकायाध्यक्ष सुश्री शिवानी जी के विचारानुसार पुस्तकालय सभी के लिए बहुत उपयोगी है, यहां सभी प्रकार के सूचना संसाधन उपलब्ध हैं।

विश्वविद्यालय की पीएचडी रिसर्च स्कॉलर सुश्री नेहा चतुर्वेदी ने पुस्तकालय द्वारा प्रदान की गई सभी सेवाओं की प्रशंसा की तथा कहा

कि पुस्तकालय से सभी प्रकार की आवश्यक जानकारी समय पर उपलब्ध हो जाती है।

इस कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालय उपभोक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के शिक्षक श्री शशिकांत उपाध्याय, कंप्यूटर विज्ञान और अनुप्रयोग को पुरस्कृत किया गया।

इस कार्यक्रम का संचालन डॉ राकेश खरे, पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा किया गया। केंद्रीय पुस्तकालय के सहायक ग्रंथपाल (एनडीएलआई क्लब सचिव) श्री सचिन चौरसिया द्वारा इस कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी को धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के सभी विभागों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षकों और छात्र-छात्राएं पुस्तकालय उन्मुखीकरण कार्यक्रम में उपस्थित रहे।



राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा अभिप्रेरणा सह अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन



31^{अगस्त}: राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा नव प्रवेशित छात्र छात्राओं के लिए अभिप्रेरणा सह अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल के कार्यक्रम समन्वयक डॉ अनंत कुमार सक्सेना व विशिष्ट अतिथि श्री राहुल सिंह परिहार ने विद्यार्थियों को संबोधित कर राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व को रेखांकित कर युवाओं को समाज में बदलाव का माध्यम बनने हेतु प्रेरित किया। श्री सक्सेना ने कहा कि एन एस

बेहतर बनाता है। वहीं समाजसेवा, शासन प्रशासन में रोजगार के अनेक अवसर भी उपलब्ध कराता है। एक स्वयंसेवक समाज की समस्याओं को चिन्हित कर उनके समाधानों की खोज करता है। वह कभी महिला सशक्तिकरण तो कभी पर्यावरण संरक्षण का माध्यम बनता है। इस अवसर पर स्टेट कैम्प सोनिया मीना ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को अपने अनुभव भी सुनाए। साथ ही कार्यक्रम अधिकारी डॉ रेखा गुप्ता व श्री गब्बर सिंह ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया।

एस एन प्लेटफॉर्म है जो एक आम विद्यार्थी को समाजसेवा के माध्यम से न केवल समाज में बल्कि उसके अपने संस्थान में भी विशिष्ट पहचान दिलाता है। वहीं श्री राहुल सिंह परिहार ने कहा कि एन एस एस आज के समय में विद्यार्थियों के लिए अवसरों की एक अनवरत श्रृंखला है। एन एस एस विद्यार्थी के व्यक्तित्व का विकास करके उसे बाकियों से



मुंशी प्रेमचंद जयंती के उपलक्ष्य में

आरएनटीयू एवं एमएलबी कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में हुआ युवाओं द्वारा कहानी पाठ एवं परिचर्चा का आयोजन

31^{जुलाई}: उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं हिंदी विभाग रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय तथा महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में कहानी पाठ एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। पत्रकारिता के छात्र विकास त्रिवेदी ने पंच परमेश्वर व अंबिका प्रसाद ने ईदगाह कहानी का पाठ किया। जिन पर 10 संस्थाओं के 20 युवाओं ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में हिंदी के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं लेखक डॉ सुधीर शर्मा ने कहा कि "मुंशी प्रेमचंद का साहित्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना कि 100 साल पहले था। प्रेमचंद आम आदमी की समस्याओं पर बड़ी बारीकी से मुखर होते हैं और समाज को आईना दिखाते हैं। युवाओं का यह जुझारूपन भविष्य को लेकर संतोष प्रदान करता है।" वहीं विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रेमचंद शरतचंद यादगार समिति की सदस्य सोनम शर्मा ने

कहा कि "प्रेमचंद सामाजिक क्रांति की चिंगारी बड़े आराम से फूंकते हुए मालूम होते हैं। जिससे समाज का ताना-बाना भी न टूटे और समाज में एक किस्म की हलचल भी पैदा हो जाए।" वहीं कार्यक्रम संयोजक युवा लेखक गब्बर सिंह ने कहा कि "प्रेमचंद हमें समाज केंद्रित नागरिक बनाने की कोशिश करते हैं। वर्तमान समय के साहित्य में इस चीज की कमी दिखाई देती है। वर्तमान समय का साहित्य आत्ममुग्धता की ओर ले जाता है। प्रेमचंद साहित्य के क्षेत्र के कबीर हैं वो कबीर की भांति समान रूप से सभी धर्मों व वर्गों की बुराईयों पर चोट करते हैं।" इस अवसर पर यूथ फॉर सेवा के अंतर साहू व लेखिका डॉ मौसमी परिहार ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन सोनिया मीना एवं अविनाश कुमार ने व आभार डॉ रेखा गुप्ता ने किया।



Chancellor, Rabindranath Tagore University Honoured with **Acharya Prafulla Chandra Ray Vigyan Samvardhan Samman**



1st August: Rabindranath Tagore University's Chancellor, Shri Santosh Chaubey, was awarded the Acharya Prafulla Chandra Ray Vigyan Samvardhan Samman by MP Chief Minister Dr. Mohan Yadav for his exceptional contributions to science and literature in Hindi. Over five decades, Shri Santosh Chaubey has made significant impacts in literature, education, and technology, earning numerous prestigious awards.

IBC 24 द्वारा रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की प्रो चांसलर डॉ अदिति चतुर्वेदी वत्स को सम्मानित किया



23rd जुलाई: IBC 24 द्वारा आयोजित किए गए स्वर्णशारदा स्कॉलरशिप समारोह में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की प्रो चांसलर डॉ अदिति चतुर्वेदी वत्स को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सम्मानित किया। इस दौरान अन्य सम्मानित अतिथियों में IBC 24 समूह के चेयरमैन श्री सुरेश गोयल उपस्थित रहे। साथ ही

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की प्रो वाइस चांसलर डॉ संगीता जौहरी भी मंच पर मौजूद रहीं। कार्यक्रम में शिक्षा पर विशेष पैनल डिस्कशन का भी आयोजन किया गया जिसमें डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने नई शिक्षा नीति के तहत विभिन्न प्रावधानों पर चर्चा की और युवाओं का करियर मार्गदर्शन किया।

RNTU Bagged “Prestigious BW Education Award”



30th August: RNTU has been honored with the prestigious BW Education Award at the 7th Edition Brands Awards & Summit. This recognition highlights RNTU's commitment to excellence in education and its significant impact on the academic community.

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स आफिसर **सतीश अहिरवार** को खेल में उत्कृष्ट कार्य हेतु 33वें शिक्षक सम्मान समारोह पर **‘मण्डीदीप द्रोणाचार्य सम्मान 2024’** से सम्मानित किया गया



अगस्त: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स आफिसर सतीश अहिरवार को खेल में उत्कृष्ट कार्य हेतु 33वें शिक्षक सम्मान समारोह पर 'मण्डीदीप द्रोणाचार्य सम्मान 2024' से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड भोजपुर विधानसभा के माननीय विधायक श्री सुरेंद्र पटवा जी, मंडीदीप इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल जी के हाथों प्राप्त हुआ। यह सम्मान समारोह सेवा समिति मंडीदीप द्वारा पिछले 33 वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है। ज्ञात हो कि सतीश अहिरवार जी पिछले 10 वर्षों से लगातार खेल के क्षेत्र में अविस्मरणीय कार्य करते हुए भावी थ्योरी का निर्माण कर रहे हैं।

वे खेल शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान करने के साथ खेल के प्रति नई अलख जगाने का कार्य निरंतर कर रहे हैं।



हॉकी प्रशिक्षक श्री लोकेंद्र शर्मा और विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी विजय प्रताप सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

इस मौके पर विवेक सागर ने राजभवन परिसर में एक पेड़ मां के नाम की मुहिम को सार्थक करते हुए एक पौधा भी रोपित किया। माननीय राज्यपाल जी ने

विवेक को देश का नाम रोशन करने पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा खिलाड़ियों को विशेष रूप से शैक्षणिक स्तर पर पारंगत बनाने और खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु बधाई देते हुए प्रोत्साहित किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में आरएनटीयू इसी तरह खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करता रहेगा।

Rabindranath Tagore University Ranked as Leading Private University in Madhya Pradesh for Sixth Consecutive Year

August: Rabindranath Tagore University (RNTU) has once again solidified its position as a leader among private universities in Madhya Pradesh, earning a prestigious spot in the **National Institutional Ranking Framework (NIRF) for the sixth consecutive year.** This remarkable achievement was a testament to the university's unwavering commitment to academic excellence, innovation, and holistic development.

The NIRF ranking reflected RNTU's dedication to provide world-class education, outstanding infrastructure, and a vibrant academic environment. The university has consistently excelled in key performance indicators such as teaching and learning resources, research and professional practices, graduation



outcomes, and outreach activities, making it a distinguished name in higher education.

"We are immensely proud to have maintained our position in the NIRF rankings for six consecutive years," said Dr. Aditi Chaturvedi, Pro Chancellor of RNTU.

She said, "This accolade is a reflection of our collective efforts to empower our students,



nurture talent, and create leaders for the future."

At RNTU, education goes beyond the classroom. The university emphasizes student empowerment, equipping them with the skills and knowledge necessary to shape a brighter future. RNTU's diverse academic programs are designed to foster ambition, inspire greatness, and unlock the potential of every student.

VIVEK SAGAR Shining Star of RNTU Shined at the Olympics with a stunning goal



अगस्त: वर्ल्ड यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप शूटिंग 2024 में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की शूटिंग खिलाड़ी मानसी रघुवंशी और वंशिका तिवारी का चयन हुआ। मानसी स्किट (वूमेन) एंड मिक्सड और वंशिका स्किट (वूमेन) में भारत की तरफ से पार्टिसिपेट करेंगी। यह चैंपियनशिप 9 से 13 नवंबर 2024 को नई दिल्ली में आयोजित होगी।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के जूडो खिलाड़ी एशियन कैडेट जूडो चैंपियनशिप व वर्ल्ड जूडो चैंपियनशिप में करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व



अगस्त: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की जूडो खिलाड़ी बीपीईएस द्वितीय वर्ष की छात्रा हिमांशी तोकस, बीपीईएस प्रथम वर्ष की छात्रा पवित्रा भट्टेले, बीएससी मैथ्स द्वितीय वर्ष की छात्रा श्रुति उनियाल, बीपीईएस प्रथम वर्ष की छात्रा श्रद्धा चापोड़े 31 अगस्त से 2 सितम्बर तक दक्षिणी कोरिया में आयोजित होने वाली एशियन कैडेट जूडो चैंपियनशिप और कजाकिस्तान में आयोजित होने वाली वर्ल्ड जूडो चैंपियनशिप के लिए चयनित हुईं।



टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय
की छात्रा **सोनिका** का
एनएसडी में चयन



5th जुलाई: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के प्रथम बैच 2021-2023 की छात्रा सोनिका नामदेव का चयन राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली में हो गया है। सोनिका की इस उपलब्धि पर रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे, प्रो-चांसलर डॉ. अदिती चतुर्वेदी वत्स, कुलपति प्रो. रजनी कांत, कुलसचिव डॉ. विजय सिंह, प्रो वाइस चांसलर डॉ. संगीता जौहरी एवं नाट्य विद्यालय के निदेशक मनोज नायर ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की है।

~ WINNERS OF NATIONAL ANTI-RAGGING MAHOTSAV ~



Mr. Alok Kumar Patwa

Student of B. Pharmacy 1st Semester has participated in National anti-ragging Mahotsav on the occasion of "National anti-ragging week" under UGC and secured 1st position in slogan writing conducted on 17/08/2024.



Mr. Vishal Keer

Student of B. Pharmacy 1st Semester has participated in National anti-ragging Mahotsav on the occasion of "National anti-ragging week" under UGC and secured 2nd position in slogan writing conducted on 17/08/2024.



Mr. Prince Kumar

Student of B. Pharmacy 1st Semester has participated in National anti-ragging Mahotsav on the occasion of "National anti-ragging week" under UGC and secured 1st position in Poster Presentation conducted on 17/08/2024.



Dr. Durga Pandey
Principal,
Institute of Pharmacy, RNTU

Dr. Durga Pandey has done M. Pharm & Ph.D. from School of Pharmaceutical Sciences, Rajiv Gandhi Pradyogiki Vishwavidyalaya, Bhopal. She has 17 years of teaching & research experience. She was invited as subject expert & presenter in the production of e-content programmes on Pharmaceutical Science under Educational Multimedia Research Centre India and for MPCST sponsored program. She has 20 Research Paper Publications including 2 in International Journals (Elsevier) & 7 Proceedings. Her National/Scopus

- Index Journal is 18, 125 Citations, 5 H-Index & 3 I10 - Index of Google Scholar, 5 H - Index & 73 Citations of Web of Science are in her credit.

She has submitted one project as Co-PI with project and consultancy department at MPCST, Bhopal. She has registered 2 patents: UK Design Patent entitled "Targeted Drug Release Device for Enhanced Efficacy in Cancer Treatment" on 16/08/2024 & UK Design patent registered for Non-invasive Device Used for Monitoring Blood Glucose Levels in Diabetic Patients on 25/08/23.

She has successfully participated in "14 - NEP 2020 Orientation and Sensitization Programme" under Malviya Mission Teacher Training Program of University Grants Commission, organized by Malviya Mission Teacher Training Centre, Dr. Babasaheb Ambedkar, Marathwada University, from 15/07/2024 to 25/07/2024. She has organized 7 conferences, 3 AICTE



Sponsored STTPs as a coordinator & organized 45 events as an event coordinator. She has also organized two expert lectures at RNTU. She has attended 30 Offline, 16 Online Seminars / Conferences, 8 Offline, 5 online FDPs & 6 Offline, 5 Online Workshops. She has guided 6 scholars of Ph.D, 26 M. Pharm & 55 B. Pharm students.

She has actively participated in the recording of folk songs, a project under M.P. State Government for Promotion of Water Saving & completed 7-years course of music from Indira Kala Sangeet Vishwavidyalaya Khairagarh C.G.

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने हर्षोल्लास पूर्वक मनाया 78वां स्वतंत्रता दिवस

आरएनटीयू की छात्रा अंजना यादव और मुस्कान रघुवंशी ने ऑस्ट्रेलिया की सबसे ऊंची चोटी कोसियस्को पर तिरंगा फहराया



15th अगस्त: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में 78वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। आजादी का यह महोत्सव विश्वविद्यालय ने आजादी के अमर नायकों को समर्पित करते हुए आयोजित किया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर एनसीसी आफिसर सब लेफ्टिनेंट मनोज सिंह मनराल के निर्देशन में एनसीसी नेवल विंग के कैडेट्स ने फ्लैग मार्च करते हुए राष्ट्रीय ध्वज को गार्ड आफ आनर दिया। साथ ही परेड में स्पोर्ट्स क्लब, एनएसएस और स्टूडेंट एक्टिविटी काउंसिल (सैक) भी शामिल हुए।

इस अवसर पर कुलाधिपति श्री संतोष चौबे जी ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों को संदेश दिया कि "अनेकों स्वतंत्रता सेनानी जिन्होंने हमें आजादी दिलाई वे पूजनीय है और इतने ही पूजनीय वो सैनिक भी हैं जो आज बॉर्डर पर, सियाचिन पर दिन-रात -50 डिग्री एवं 52 डिग्री तापमान पर भी देश की रक्षा के लिए अपना सब कुछ कुर्बान करने को तैयार हैं। हम सब बॉर्डर पर नहीं जा सकते पर जो काम हम कर रहे हैं उसको ईमानदारी से करें। यही आपकी देशभक्ति होगी"। इस मौके पर विश्वविद्यालय की छात्रा अंजना यादव और

मुस्कान रघुवंशी ने ऑस्ट्रेलिया की सबसे ऊंची चोटी कोसियस्को पर तिरंगा फहराकर विश्वविद्यालय सहित प्रदेश का मान पूरे विश्व में शीर्ष पर पहुंचाया है। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे, प्रो चांसलर डॉ अदिति चतुर्वेदी वत्स, कुलसचिव डॉ विजय सिंह और प्रतिकुलपति डॉ संगीता जौहरी ने दोनों छात्राओं को बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रदान की।



आरएनटीयू की छात्रा अंजना यादव और मुस्कान रघुवंशी ने ऑस्ट्रेलिया की सबसे ऊंची चोटी कोसियस्को पर फहराया तिरंगा

वहीं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई व राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस पर "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत

पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें विश्व रंग के निदेशक वरिष्ठ साहित्यकार, कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने आम व कटहल के पौधे रोपकर युवाओं से इस अभियान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर एनसीसी नेवल विंग की इंस्ट्रक्टर दुर्गा वर्मा सहित स्टेट कैंपर सोनिया मीना अविनाश कुमार व अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक डॉ. संजीव गुप्ता, डीएसडब्ल्यू श्री अंकित पंडित, एनसीसी आफिसर सब लेफ्टिनेंट मनोज मनराल, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ रेखा गुप्ता एवं श्री गब्बर सिंह सहित समस्त स्टाफगण उपस्थित था। कार्यक्रम का संचालन विवेक भास्कर द्वारा किया गया।

RNTU

Rabindranath
TAGORE
UNIVERSITY
MADHYA PRADESH, BHOPAL

Rabindranath Tagore University

Village Mendua, Post-Bhojpur, Chiklod Road, Near Bangrasia, Bhopal- 464993 (M.P.)

Ph.: 0755-2700400 | Email: info@rntu.ac.in

Editorial Team:

Dr. Neha Mathur
Mr. Vijay Pratap Singh
Mr. Yogesh Patel
Mr. Kamlesh Thakur
Mr. Upendra Patne